सीखने के प्रतिफल की आकलन पुस्तिका

हिंदी

कक्षा 4

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
SECTOR-32 UT CHANDIGARH

पाठ - 1

मन के भोले-भाले बादल

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति अग्रसर करना और उनका मनोरंजन करना|
- विद्यार्थियों को समयानुसार प्रकृति के नियमों की जानकारी देना|
- कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कविता के काव्यांशों से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- प्रकृति की मानवीकरण के बारे में चर्चा करते हुए बच्चे बारी-बारी से पाठ के अंशों को पढ़ेंगे तथा ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा कविता के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- कविता के माध्यम से वर्षा की अधिकता के कारण बाढ़ से होने वाली परेशानियों पर चर्चा करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे कविता के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे|
- ऋतुओं के विषय में लिखवाकर कक्षा में छात्रों के लेखन कौशल को जानना|

- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे| कागज़ की नाव बनाकर रचनात्मक क्रियाकलाप कराना|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - बादल, भोला, शैतानी, तूफ़ानी, बाढ़|
- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - भोला - बच्चों का मन बहुत भोला होता है| शैतानी - हमें कभी भी शैतानी नहीं करनी चाहिए|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति प्रेरित करना, उसकी सुन्दरता और निश्चल भाव को दर्शाना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं|

नीचे दिए गए विज्ञापन को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें :-

नीचे दिए गए विज्ञापन को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें :-

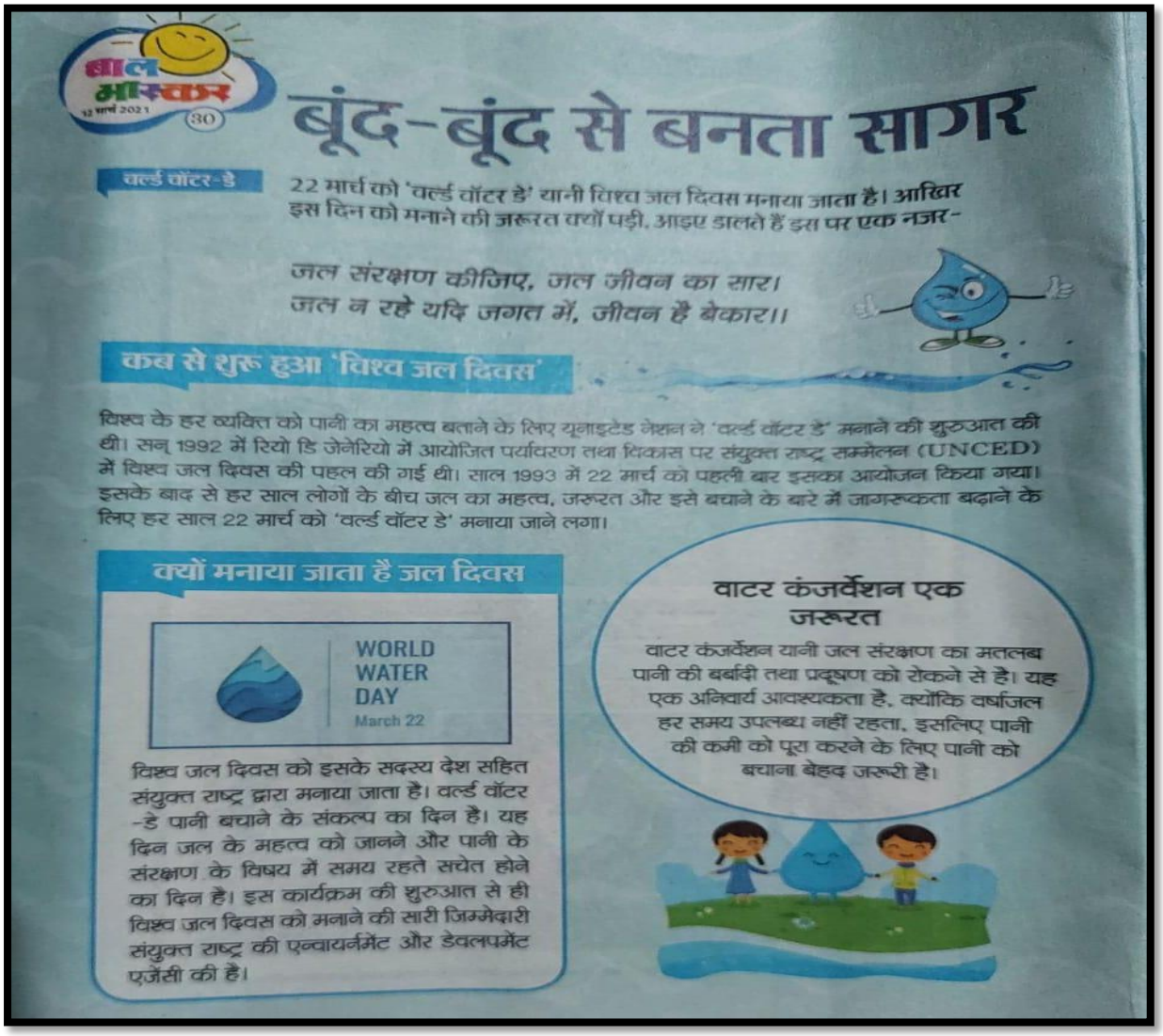

बाल भास्कर
22 मार्च 2021
30

बूंद-बूंद से बनता सागर

वर्ल्ड वॉटर-डे

22 मार्च को 'वर्ल्ड वॉटर डे' यानी विश्व जल दिवस मनाया जाता है। आखिर इस दिन को मनाने की जरूरत क्यों पड़ी, आइए डालते हैं इस पर एक नजर-

जल संरक्षण कीजिए, जल जीवन का सार।
जल न रहे यदि जगत में, जीवन है बेकार।।

कब से शुरू हुआ 'विश्व जल दिवस'

विश्व के हर व्यक्ति को पानी का महत्व बताने के लिए यूनाइटेड नेशन ने 'वर्ल्ड वॉटर डे' मनाने की शुरुआत की थी। सन् 1992 में रियो डि जेनेरियो में आयोजित पर्यावरण तथा विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCED) में विश्व जल दिवस की पहल की गई थी। साल 1993 में 22 मार्च को पहली बार इसका आयोजन किया गया। इसके बाद से हर साल लोगों के बीच जल का महत्व, जरूरत और इसे बचाने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 22 मार्च को 'वर्ल्ड वॉटर डे' मनाया जाने लगा।

क्यों मनाया जाता है जल दिवस

WORLD WATER DAY
March 22

विश्व जल दिवस को इसके सदस्य देश सहित संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता है। वर्ल्ड वॉटर -डे पानी बचाने के संकल्प का दिन है। यह दिन जल के महत्व को जानने और पानी के संरक्षण के विषय में समय रहते सचेत होने का दिन है। इस कार्यक्रम की शुरुआत से ही विश्व जल दिवस को मनाने की सारी जिम्मेदारी संयुक्त राष्ट्र की एन्वायर्नमेंट और डेवलपमेंट एजेंसी की है।

वाटर कंजर्वेशन एक जरूरत

वाटर कंजर्वेशन यानी जल संरक्षण का मतलब पानी की बर्बादी तथा प्रदूषण को रोकने से है। यह एक अनिवार्य आवश्यकता है, क्योंकि वर्षाजल हर समय उपलब्ध नहीं रहता, इसलिए पानी की कमी को पूरा करने के लिए पानी को बचाना बेहद जरूरी है।

प्र०1: विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?

क. 25 अप्रैल 2001

ख. 22 मार्च 1993

ग. 27 मई 1995

घ. 22 जनवरी 2000

प्र०2: विज्ञापन के अनुसार जीवन का सार किसे माना गया है?

क. जगत को

ख. जल संरक्षण को

ग. जल को

घ. पर्यावरण को

प्र०3: विश्व जल दिवस मनाने का क्या उद्देश्य है?

क. पानी के महत्व को समझाना और जल-संरक्षण के लिए प्रेरित करना|

ख. पानी के गुणों की चर्चा करना|

ग. पानी के विभिन्न उपयोग समझाना|

घ. इनमें से कोई नहीं|

प्र०4: जल बचाने के लिए निम्नलिखित में से कौन से कार्य करना उपयुक्त है?

I. ब्रुश करते समय लगातार पानी ना चलाए|

II. कार या मोटर-साइकिल धोते समय पाइप की जगह बाल्टी में पानी का प्रयोग करें|

III. नहाते समय शॉवर की बजाए बाल्टी व मग का प्रयोग करें|

IV. सब्जियाँ टब या बर्तन में धोकर बचे पानी को पौधों में डाल दें|

क. I, II और IV

ख. II, III और IV

ग. I, II और III

घ. I, II, III और IV

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (क), 4 (घ)

पाठ - 2

जैसा सवाल वैसा जवाब

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से मनोरंजन कराना|
- विद्यार्थियों को समस्याओं का सरलता से हल करना सिखाना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- जीवन की समस्याओं को आसानी से हल करने के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे कविता के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - बुद्धिमान, विश्वास, कोशिश, पसंद, अभिमान|

- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - बुद्धिमान - बुद्धिमान व्यक्ति सभी समस्याओं का समाधान कर सकता है| अभिमान - हमें भी अभिमान नहीं करना चाहिए|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सभी विद्यार्थी भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा समझते हैं और उसका इस्तेमाल करते हैं|

निम्नलिखित विज्ञापन को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०1: प्रस्तुत विज्ञापन किस विषय से संबंधित है?

क. पुस्तकों की प्रदर्शनी से

ख. पेंसिल व रबड़ की सेल से

ग. कपड़े की सेल से

घ. बर्तनों की सेल से

प्र०2: "पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन नई दिल्ली में किया गया है, यह भारत की _____ है|" रिक्त स्थान भरो?

क. सबसे ज़्यादा आबादी वाला शहर

ख. राजधानी

ग. वित्तीय राजधानी

घ. सबसे कम आबादी वाला शहर

प्र०3: राहुल को हिन्दी की तीन किताबें खरीदनी है जो इस प्रकार है:

क्र. संख्या	किताब का नाम	कीमत (रुपये में)
1	जासूसी किताब	100 रुपए
2	अकबर-बीरबल की कहानियों की किताब	150 रुपए
3	रामायण	250 रुपए
	कुल	500 रुपए

यदि प्रदर्शनी में सभी किताबें आधे मूल्य पर उपलब्ध होगी, तो उसके अनुसार राहुल को कुल कितनी राशि देनी पड़ेगी?

क. कुल 200 रुपए

ख. कुल 500 रुपए

ग. कुल 250 रुपए

घ. कुल 400 रुपए

प्र०4: 'प्रदर्शनी' शब्द का सही वर्ण-विच्छेद कौन-सा है?

क. प्+र्+अ+द्+अ+र्+श्+अ+न्+ई

ख. प्+अ+द्+अ+र्+अ+श्+अ+न्+ई

ग. र्+प्+अ+द्+अ+र्+श्+अ+न्+ई

घ. प्+र्+द्+र्+श्+न्+ई

उत्तर-तालिका = 1 (क), 2 (ख), 3 (ग), 4 (क)

पाठ - 3

किरमिच की गेंद

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ के माध्यम से खेलों से परिचित करना|
- विद्यार्थियों को अंदर और बाहर खेले जाने वाले खेलों के बारे में बातचीत करना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- 'बच्चों की खेल के प्रति रुचि, उत्साह और उनके अनुभव के बारे में' चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे, नए शब्द पढ़ने में समर्थ होंगे| जैसे - ईमानदारी जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे कविता के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- प्रिय खेल के विषय पर लिखकर लेखन कौशल बढ़ाना और पाठ का अंत बदलकर लिखना और सारांश ग्रहण करना|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे|

- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - बाज़ार, धरती, गेंद, ईमानदारी, छत|
- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - धरती - हमारी धरती बहुत सुंदर है| ईमानदारी - ईमानदारी मनुष्य का सर्वोत्तम गुण है|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा बराबरी, अनुशासन और दूसरों के बारे में सोचना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सभी विद्यार्थी सुनी हुई रचनाओं की विषय वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं / प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते है तथा अपनी बात के लिए तर्क देते है|

निम्नलिखित विज्ञापन से सूचना पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

नन्हे रेसर वरेण्यम के नाम हैं कई रिकॉर्ड्स

मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में रहने वाले साढ़े छह साल के होनहार धावक वरेण्यम शर्मा ने पिछले महीने 31 दिन का 'इंडियन रनर दिसंबर चैलेंज' पूरा किया। उन्होंने 53 घंटे 14 मिनट 44 सेकंड में 251.03 किलोमीटर की दूरी दौड़कर तय की।

वरेण्यम देशभर के 3899 धावकों में 89वें नंबर पर रहे। अपने बुलंद हौसले के कारण ही वरेण्यम को 'एशियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' ने 8 दिसंबर 2020 को 'ग्रैंड मास्टर्स का टाइटल' दिया था। इससे चार दिन पहले यानी 4 दिसंबर को वरेण्यम का नाम 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड' में दर्ज हुआ था। उन्हें 'मैक्सिमम डिस्टेंस कवर्ड बाई ए किड वाइल रनिंग' का टाइटल भी मिला है।

वरेण्यम की खास बात यह है कि वे रोजाना घर में बना जूस पीते हैं और हरी सब्जियां, फल और अंकुरित अनाज ही खाते हैं। यह उन बच्चों के लिए प्रेरणा है जो सब्जियां, फल आदि खाने से कतराते हैं।

प्र०1: धावक किसे कहते है?

क. पैदल चलने वाले व्यक्ति को

ख. दौड़ने वाले व्यक्ति को

ग. साइकिल चलाने वाले व्यक्ति को

घ. कार चलाने वाले व्यक्ति को

प्र०2: वरेण्यम देशभर के 3899 धावकों में से कौन-से स्थान पर रहे?

क. छियासी

ख. चौरासी

ग. नवासी

घ. नब्बे

प्र०3: वरेण्यम को ग्रैन्ड मास्टर्स का टाइटल किसने दिया?

क. इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड

ख. मैक्सिमम डिस्टेंस कवर्ड बाई ए किड वाइल रनिंग

ग. एशियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स

घ. इनमें से किसी ने नहीं

प्र०4: वरेण्यम अपने भोजन में किस प्रकार का आहार लेता है?

क. तैलीय भोजन

ख. फल, हरी सब्जियाँ व अंकुरित अनाज

ग. बर्गर व पिज़्ज़ा

घ. मांसाहारी भोजन

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ग), 4 (ख)

पाठ -4

पापा जब बच्चे थे

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों की पाठ के माध्यम से कार्य के प्रति दिलचस्पी बढ़ाना|
- विद्यार्थियों को शेखचिल्ली की कहानियाँ सुनाना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- बच्चों के बाल-मन के भाव और उनके स्वभाव के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे पाठ के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- बच्चे पाठ में आए बाल-मन के अस्थिर स्वभाव को ध्यान में रखते हुए स्वयं को मुख्य चरित्र मानकर कहानी को लिखने में समर्थ होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|

- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - चौकीदार, हैरानी, यात्रा, समस्या, मुश्किल|
- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - चौकीदार - चौकीदार हमारी सुरक्षा करते हैं| यात्रा - मुझे यात्रा करना पसंद है|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने के प्रतिफल :-

- सभी विद्यार्थी स्तरानुसार अन्य विषयों,व्यवसायों,कलाओं आदि, गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि की सराहना करते हैं।

नीचे एक तालिका दी गई है जिसमें कक्षा 4 के चार विद्यार्थियों के पिताजी के व्यवसाय के बारे में लिखा गया है ।

छात्र का नाम	**छात्र के पिताजी का व्यवसाय**
राहुल	चिकित्सक
नेहा	पेंटर
आकाश	दुकान में काम करने वाले
रेखा	सब्जी की दुकान लगाने वाले

प्र०1: चारों छात्रों के पिता जी में से किसका काम सबसे कठिन है और सम्मानजनक है?

क. राहुल के पिता जी का क्योंकि वह एक चिकित्सक हैं और समाज में उनका सम्मान है|

ख. नेहा के पिताजी का क्योंकि वे बहुत बड़े पेंटर हैं|

ग. रेखा के पिताजी का काम कठिन है क्योंकि वे सभी को सब्जी पहुंचाते हैं|

घ. सभी का काम कठिन है एवं सम्मानजनक है|

प्र०2: अमित को गणित विषय कम पसंद है इसलिए वह उसे कम पढ़ता था और उसके इस विषय में हमेशा कम अंक आते थे । बार- बार अंक कम आने के कारण उसे क्या करना चाहिए ?

क. दूसरे विषय की तैयारी ज्यादा करनी चाहिए ताकि गणित के कम अंकों की कमी पूरी की जा सके|

ख. केवल गणित ही पढ़ना चाहिए और प्रश्नों को बार-बार हल करना चाहिए|

ग. गणित विषय को भी अन्य विषयों के समान समय देना चाहिए और प्रश्नों को बार-बार हल करना चाहिए|

घ. गणित पढ़ना छोड़ देना चाहिए|

प्र०3: नितिन के पिताजी एक नर्तक हैं परंतु वे चाहते हैं कि नितिन पढ़-लिख कर कोई अन्य काम करें जबकि नितिन नर्तक ही बनना चाहता है । क्या कारण हो सकते हैं कि नितिन के पिताजी नहीं चाहते कि वह नर्तक बने ?

क. उन्हें नर्तक का काम सम्मानजनक नहीं लगता होगा|

ख. वह नृत्यकला से ज्यादा कमा नहीं पाते होंगे|

ग. अन्य लोग उनका काम पसंद नहीं करते होंगे और उन पर हँसते होंगे|

घ. उपरोक्त सभी कारण हो सकते हैं|

उत्तर-तालिका = 1 (घ), 2 (ग), 3 (घ)

पाठ - 5

दोस्त की पोशाक

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को राजाओं की कहानियाँ सुनाना| पाठ के माध्यम से परिधानों पर चर्चा करना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- विभिन्न प्रकार की पोशाकों तथा उनकी आवश्यकता के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षक पाठ को पढ़ेंगे तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे कविता के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे|
- अपने बचपन की प्रिय पोशाक पर किस्से लिखकर लेखन कौशल बढ़ाना|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - पोशाक,पड़ोसी, परिचय, दोस्त, मुलाकात |

- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - पड़ोसी - मेरे पड़ोसी बहुत अच्छे हैं| मुलाकात - मैंने अपने मित्र से मुलाकात की|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से प्राचीनकाल के राजाओं के गुणों द्वारा प्रोत्साहित करना आदि नैतिक मूल्यों पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सभी विद्यार्थी विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन बोर्ड पर लगाई जाने वाली सूचना, कविता, कहानी आदि) के अनुसार लिखते हैं ।

प्र०1: नीचे एक स्कूल के बुलेटिन बोर्ड पर लगे चार्ट को दर्शाया गया है । इसे देख व समझ कर निम्न कविता को पूरा करो ?

(क) ..... है जन-जन की (ख).....

करें इसका सभी सम्मान, यही है मेरी (ग).....

इस (घ) .....दिवस बस यही है (ड़) .....

हिन्दी अपनाकर लाओ (च)..... में उजियारा

क. गणित, हिन्दी, अँग्रेज़ी, विज्ञान

ख. बहुभाषा, भाषा, आशा, निराशा

ग. उपेक्षा, अभिलाषा, इच्छा, कामना

घ. अँग्रेज़ी, विज्ञान, हिन्दी, गणित

ङ. तारा ,नारा, पारा, सारा

च. स्कूल, देश, कमरे, कक्षा

प्र०2: नीचे एक बुलेटिन पर कुछ सूचना दी गई है । उसके आधार सूचना को पूरा करो :

यूकेजी एवं एलकेजी के (क)..... के लिए (ख) ..... कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। सभी (ग)..... को बुलेटिन में लिखे विषयों पर (घ)..... सुनानी है। भाग लेने वाले सभी बच्चों को (ड़) ..... मिलेगें ।

क. अध्यापकों, बच्चों, सहेलियों, दोस्तों

ख. अँग्रेज़ी, हिन्दी, पंजाबी, गणित

ग. लड़कियों, लड़कों, बच्चों, अध्यापकों

घ. कहानी, कविता, प्रसंग, निबंध

ङ. दंड, पुरस्कार, बुलेटिन बोर्ड, कविता

प्र०3: अनिकेत ने विद्यालय के बुलेटिन बोर्ड के लिए नीचे दिखाया गया चार्ट बनाया है। चार्ट के आधार पर निम्न पंक्तियों को पूरा करो ।

(बच्चों को स्वतंत्र लेखन के लिए प्रेरित करें)

क. अनिकेत द्वारा बनाया गया चार्ट ..... के दिन को ध्यान में रखकर बनाया गया है ।

ख. तीनों बच्चे गांधी जी के ..... को दर्शाते हैं ।

ग. लड़की का चित्र हमें ..... का संदेश देता है ।

घ. बीच वाले बच्चे ने अपनी आंखे बंद कर ली हैं क्योंकि वह.....नहीं देखना चाहता ।

उत्तर-तालिका =

1 (क) हिन्दी (ख) भाषा (ग) अभिलाषा (घ) हिन्दी (ड़) नारा (च) देश

2 (क) बच्चों (ख) हिन्दी (ग) बच्चों (घ) कविता (ड़) पुरस्कार

3 (क) गाँधी जयंती (ख) तीन बंदरों (ग) बुरा ना सुनने (घ) बुरा

पाठ - 6

नाव बनाओ नाव बनाओ

शिक्षण के लक्ष्य:

- कविता के माध्यम से बरसात के मौसम पर चर्चा करना| विद्यार्थियों को बरसात के मौसम में कागज़ से नाव बनाने के बारे में बताना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- देश के विभिन्न मौसम के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे पाठ के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे| बरसात के मौसम के आनंद के किस्से लिखकर लेखन कौशल बढ़ाना और कागज़ की नाव बनाना|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - नाव, सागर, भैया, घर, गुल्लक|

- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - गुल्लक - मेरी गुल्लक पैसों से भरी हुई है| सागर - सागर में तेज़ लहरें उठती रहती हैं|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से बचपन में खेले जाने वाले खेल, उनमें दिखाया जाने वाला अपनापन व सरलता आदि गुणों का विकास करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सभी विद्यार्थी विविध प्रकार की सामग्री जैसे- समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल पत्रिका आदि में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिन्दुओं को समझते हैं और उन पर चर्चा करते हैं ।

प्र०1: नीचे एक समाचार पत्र की कटिंग दर्शाई गई है । कटिंग के समाचार को पढ़कर बताएं कि निम्न में से कौन सा विकल्प समाचार से संबन्धित नहीं हो सकता ?

दिल्ली, बुधवार 17 जून 2015 | नईदुनिया राष्ट्रीय संस्करण | 11

हिंद महासागर के गरम होने से भारत में मानसून हो रहा कमजोर

क. भारत में मानसून कब आता है और कितने दिनों तक मानसून की बारिश होती है|

ख. मानसून के कमजोर रहने के क्या-क्या कारण हो सकते हैं|

ग. भारतीय व्यापार के लिए हिन्द महासागर बहुत अहम है|

घ. मानसून के कमजोर रहने के कारण क्या-क्या नुकसान होता है|

प्र०2: नीचे एक बाल पुस्तक का पहले पृष्ठ का चित्र दिखलाया गया है | चित्र के आधार पर निम्न प्रश्न का उत्तर दें कि इस महीने की बाल भास्कर पुस्तक का विषय क्या है?

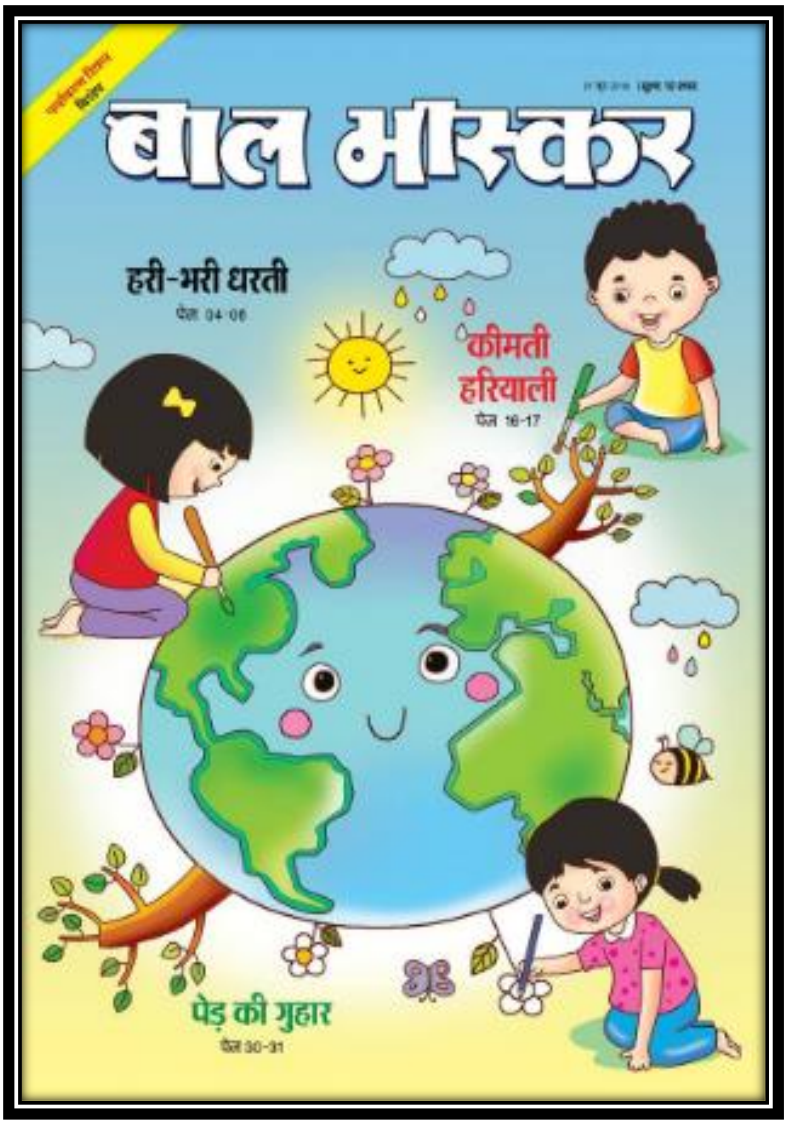

क. सूरज की गर्मी कितनी होती है

ख. धरती हरी-भरी कैसे रहे

ग. बादल ही बादल, चारों ओर बरसे बादल

घ. बच्चों के जीवन में चित्रकला का महत्व

प्र०3: नीचे एक लेख दिखाया गया है जिसमें स्वच्छता अभियान को भारत के विकास का रास्ता कहा गया है| प्रस्तुत लेख में भारत की किस सामाजिक समस्या की ओर संकेत किया गया है?

फोकस

www.nationalduniya.com

नेशनल दुनिया 12

भारत के विकास का रास्ता

स्वच्छता अभियान

हाल ही में भारत के शीर्ष प्रतिनिधियों राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री अरुण जेटली जैसे भारत के शीर्ष नेताओं ने अपने भाषणों में भारत में खुले में शौच जाने की समस्या को विशेष जगह दी है। उन्होंने देश की जनता से यह भी वादा किया है कि वे देश से खुले में शौच की आदत को 2019 में महात्मा गांधी के 150 वें जन्मदिन तक खत्म कर देंगे। कुछ विश्लेषकों के हिसाब से ये सरकार का एक ऐसा वादा है जिसे पूरा करना काफी मुश्किल साबित होगा। भारतीय नीतियों में रुचि रखने वाले विश्लेषकों के रूप में हम, सरकार के इस वादे का समर्थन करते हैं। यह समर्थन पूरी दुनिया में पिछले कुछ समय से मानव विकास के लिए हो रही खोजों के परिणामों के आधार पर है। देश में खुले में शौच की आदत को बदला जा सकता है और यह बदलाव देश के विकास और समृद्धि के लिए संजीवनी साबित होगा। देश की इसी मूलभूत समस्या और स्वच्छता अभियान पर फोकस...

शौचालय

क. खुले में पानी भरने की समस्या का

ख. खुले में पेड़ ना होने की समस्या का

ग. खुले में शौच करने की समस्या का

घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ख), 3 (ग)

पाठ - 7

दान का हिसाब

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ के माध्यम से दान और भीख में अंतर बताना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- दूसरों की सहायता करने के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे कविता के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे| किसी एक दानवीर का किस्सा लिखकर लेखन कौशल बढ़ाना|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - विद्वान, सज्जन, सत्कार, अनाज, सुगंधित|
- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - सत्कार - हम अतिथि का सत्कार करते हैं| सुगंधित - फूल सुगंधित होते हैं|

- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को परोपकारी बनने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सभी विद्यार्थी अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री, अखबार, बाल-पत्रिका से पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिन्ह का इस्तेमाल करते है|

प्र०1: "एक बार देश में अकाल पड़ गया| पूर्वी सीमा के लोग भूखे-प्यासे मरने लगे|" - इस पंक्ति में प्रत्येक वाक्य के अंत में एक विराम चिन्ह का प्रयोग किया गया है| वाक्य के अंत में लगने वाले विराम चिन्ह को क्या कहते है?

क. अल्प विराम चिन्ह
ख. प्रश्नवाचक विराम चिन्ह
ग. पूर्ण विराम चिन्ह
घ. योजक चिन्ह

प्र०2: निम्नलिखित चित्र को ध्यान से देखकर बताये कि किस वाक्य में उचित विराम चिन्ह का प्रयोग हुआ है?

क. फल की टोकरी में आम| अंगूर| सेब| नाशपाती| और केला रखा है|

ख. फल की टोकरी में आम? अंगूर? सेब? नाशपाती? और केला रखा है?

ग. फल की टोकरी में आम अंगूर सेब नाशपाती और केला रखा है|

घ. फल की टोकरी में आम, अंगूर, सेब, नाशपाती और केला रखा है|

प्र०3: "क्या तुम अपनी पुस्तक मुझे दोगे जल्दी बताओ" - इस वाक्य में प्रश्नचिह्न (?) किन शब्दों के बाद आएगा?

क. क्या

ख. क्या तुम

ग. मुझे दोगे

घ. जल्दी बताओ

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (घ), 3 (ग)

पाठ 8

कौन

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से घर में रहने वाले जीव-जंतुओं के बारे में बताना तथा उनसे बातचीत करना| कविता के माध्यम से घरेलू जीव-जंतुओं व चूहों पर चर्चा करना|
- मौखिक पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- सभी के प्रति परोपकारी बनने के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षक पाठ को पढ़ेंगे तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे पाठ के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे| पहेलियों को लिखकर लेखन कौशल बढ़ाना|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|

- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - स्याही, रस्सी, अनजाने, पैसा, मिठाई|
- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - अनजाने - हमें अनजाने में भी किसी को गलत बात नहीं कहनी चाहिए| मिठाई - मुझे मिठाई खाना बहुत पसंद है|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से जीव-जंतुओं के लिए परोपकारी बनने आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सभी विद्यार्थी भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा समझते और उसका इस्तेमाल करते है|

निम्नलिखित पद्यांश की पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

हम दौड़ें तो गिर-गिर जाएँ
दौड़े ट्रेन न गिरती है ।
पतली-पतली पटरी पे
छुक-छुक करके चलती है ।।

सन-सन चाल निराली इसकी
हवा से बातें करती है ।
दिन हो या सावन की रात
ये तो चलती रहती है ।।

सैर कराए हमें घुमाये
लेकिन कभी न थकती है ।
गाँव, नदी और शहर दिखाए
जंगल में न डरती है ।।

देखो ! देखो ! वह देखो !
प्यारी ट्रेन गुजरती है ।
एक खराबी इसमें केवल
काला धुआँ उगलती है ।।

प्र०1: उपरोक्त कविता में ट्रेन/रेलगाड़ी की कौन सी खराबी की बात कही गई है?

क. चलते समय यह बहुत ज़ोर-ज़ोर की आवाज़ करती है|
ख. ट्रेन बिजली से चलने वाली नहीं है,इसलिए काला धुआँ छोड़ती है|
ग. ट्रेन रात को भी चलती रहती है|
घ. ट्रेन बहुत तेज चलती है और हवा से बातें करती है|

प्र०2: उपरोक्त कविता के अनुसार, ट्रेन/रेलगाड़ी को जंगल में से गुजरने पर डर क्यों नहीं लगता?

क. ट्रेन में बड़े लोग ही सफर करते हैं|
ख. ट्रेन में पुलिस भी होती है|
ग. ट्रेन के आगे बहुत बड़ी-बड़ी लाइटें लगी होती हैं जिससे जंगल के जानवर डर जाते हैं|
घ. ट्रेन एक निर्जीव वस्तु है, इसमें कोई भाव नहीं होता|

प्र०3: जैसे ट्रेन/रेलगाड़ी छुक-छुक करके चलती है, उसी प्रकार घड़ी ..... करके चलती है ।

क. धक-धक

ख. गिर-गिर

ग. टिक-टिक

घ. टुन-टुन

प्र०4: ट्रेन/रेलगाड़ी के लिए ऐसा क्यों कहा गया कि वह हमें गाँव और शहर दिखलाती है जबकि उसका काम तो हमें एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना होता है ?

क. क्योंकि ट्रेन/ रेलगाड़ी गाँव और शहर दोनों जगह ही रुकती है|

ख. क्योंकि ट्रेन/ रेलगाड़ी में गाँव और शहर दोनों जगह के लोग सफर करते हैं|

ग. क्योंकि ट्रेन/ रेलगाड़ी अपने सफर के दौरान बहुत से गाँव और शहरों के बीच से गुजरती है|

घ. क्योंकि ट्रेन/ रेलगाड़ी का काम लोगों को गाँव और शहर दिखाने का है|

प्र०5: 'हवा' का सही पर्यायवाची कौन-सा है?

क. वायु

ख. निशा

ग. दिवस

घ. अनल

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (छात्र स्वयं उत्तर देंगे), 3 (घ), 4 (ग) 5 (क)

पाठ - 9

स्वतंत्रता की ओर

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए संघर्षों के बारे में बताना|
- पाठ के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों पर चर्चा करना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए संघर्षों के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षक पाठ को पढ़ेंगे तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे कविता के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे| गाँधी जी की जीवनी को लिख कर लेखन कौशल बढ़ाना|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - आश्रम, योजना, स्वतंत्रता, खादी, रसोईघर|

- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - स्वतंत्रता - स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए बहुत-से नौजवानों ने अपना बलिदान दिया| योजना - मैंने अपना कार्य पूर्ण करने की योजना बनाई है|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से देश से प्रेम करने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- तरह-तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल-पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/ अपनी राय देते है/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं|

निम्नलिखित चित्र में गाँधी जी के विषय में कविता की कुछ पंक्तियाँ है, ध्यान से पढ़ कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए|

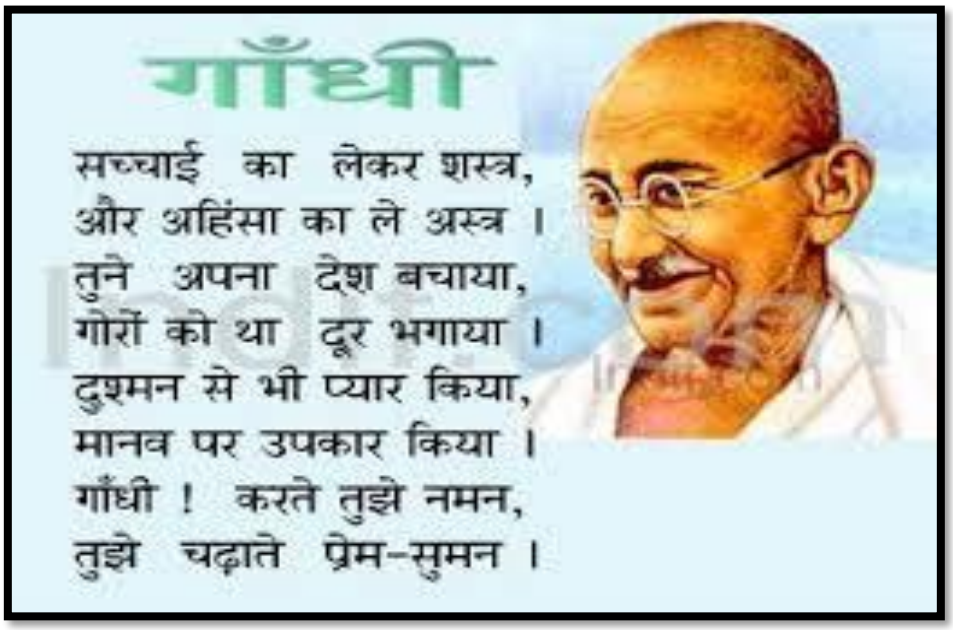

प्र०1: गाँधी जी ने देश को स्वतंत्र करवाने के लिए सत्य और अहिंसा का सहारा क्यों लिया था?

क. क्योंकि देश में सैनिकों की कमी थी|

ख. क्योंकि देश के पास लड़ने के लिए हथियार नहीं थे|

ग. क्योंकि उन्हें विश्वास था कि सत्य और अहिंसा से अंग्रेजों को हराया जा सकता है|

घ. क्योंकि वह कमज़ोर थे और अंग्रेजों से लड़ना नहीं चाहते थे|

प्र०2: देश की स्वतंत्रता को बचाए रखने के लिए अपने दुश्मन से कैसा व्यवहार करना चाहिए?

I. उससे बातचीत कर, समझाकर माफ़ कर देना चाहिए|

II. उसे उसकी गलती की कठोर सज़ा देनी चाहिए|

III. उसके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए|

IV. इनमें से कोई नहीं

प्र०3: 'सुमन' शब्द का सही पर्यायवाची बताओ?

क. माँ, जननी

ख. फूल, कुसुम

ग. निशा, रजनी

घ. बगीचा, उपवन

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (छात्र स्वयं उत्तर देंगे), 3 (ख)

पाठ - 10

थप रोटी थप दाल

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से संतुलित आहार के बारे में बताना| पाठ के माध्यम से संतुलित आहार पर चर्चा करना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- सहयोग की भावना के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे कविता के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे| अपने प्रिय भोजन के विषय में लिखवाकर लेखन कौशल बढ़ाना|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - स्वाद, भूख, अभिनय, मक्खन, रोटी|

- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - अभिनय - नाटक में सभी ने अच्छा अभिनय किया| भूख - मुझे बहुत भूख लगी है|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से मिल बांट कर खाने और सहयोग करने की भावना के लिए प्रेरित आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- पढ़ने के लिए उत्सुक रहते हैं और पुस्तक कोना/पुस्तकालय से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ते हैं |

(निम्नलिखित कहानी सुनाकर बच्चों से प्रश्न पूछे जायेगें)

एक बार राजा कृष्णदेव राय किसी कारण तेनालीराम से नाराज़ हो गए| उन्होनें तेनालीराम को दरबार में बुलाया और क्रोध भरे स्वर में कहा -"तेनालीराम, तुम दरबार से चले जाओ और अब मुझे अपना मुहँ ना दिखाना |" अगले ही दिन तेनालीराम दरबार में उपस्थित हुए| लेकिन उनका मुहँ नकली चेहरे से ढका हुआ था| उन्हें देखकर सभी दरबारी हँसने लगे| राजा की भी दृष्टि उन पर गई, तो वे नाराज़ होकर बोले -" मैंने तुम्हें मुहँ ना दिखाने का आदेश दिया था, तुम फिर आ गए|" यह सुनकर तेनालीराम ने नम्रतापूर्वक कहा -"महाराज, मैंने तो आपके आदेश का पूरा-पूरा पालन किया है| यह देखिए, मुहँ पर नकली चेहरा लगाकर आया हूँ, जिससे आप मेरा मुहँ ना देख सकें|" यह सुनकर सभी दरबारी खिलखिलाकर हँस पड़े| राजा भी अपनी हँसी को रोक नहीं पाए और उनका क्रोध शांत हो गया|

प्र०1: राजा ने तेनालीराम को अपना मुहँ ना दिखाने को क्यों कहा?

क. क्योंकि वह बदसूरत थे और उनका रंग भी काला था|

ख. क्योंकि वह बहुत सुन्दर थे और राजा नहीं चाहते थे कि कोई उनकी सुन्दरता को देखे|

ग. क्योंकि राजा नाराज़गी के कारण उनका मुहँ नहीं देखना चाहते थे|

घ. क्योंकि सभी दरबारी उन्हें देखकर डर जाते थे|

प्र०2: तेनालीराम राजा का आदेश मानते हुए नकली चेहरा लगाकर दरबार में आए| इससे उनकी किस विशेषता का पता चलता है?

क. वह बहुत मूर्ख व्यक्ति था|

ख. वह बहुत गुस्सैल व्यक्ति था|

ग. वह बहुत चतुर व्यक्ति था|

घ. वह बहुत जिद्दी व्यक्ति था|

प्र०3: तेनालीराम अपना मुहँ छुपाने के लिए नकली चेहरे के अलावा ओर किस चीज़ का प्रयोग कर सकते थे?

क. वह स्त्री की वेशभूषा पहनकर आ सकते थे|

ख. वह अपने मुहँ पर चश्मा लगाकर आ सकते थे|

ग. वह अपने मुहँ को चादर से ढककर आ सकते थे|

घ. वह अपने सिर पर पगड़ी बाँध कर आ सकते थे

सीखने का प्रतिफल:

- अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं|

निम्नलिखित कविता की पंक्तियों को ध्यान से पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर देगें|

लो आ गया वसंत, पतझड़ को नव जीवन मिला।

प्रकृति के मुरझाये अधरों पर, मुस्कानों का फूल खिला।

अब तो पेड़ों पर बौर लगेंगे, सरसों के पीले फूल खिलेंगे।
डालों पर बोलेंगी कोयल, पक्षियों का कलरव होगा।

मन्द-मन्द सी बयार, मन में सबके रस सा घोलेंगी।
मन में जो राग छुपे, जाने कितने अनुराग छुपे।

प्र०4: वसंत ऋतु आने पर पतझड़ को नव जीवन कैसे मिलता है?

क. क्योंकि चारों तरफ़ नए पत्ते, फूल और कलियाँ खिल जाती है|

ख. क्योंकि चारों तरफ़ अंधेरा छा जाता है|

ग. क्योंकि चारों तरफ़ सूरज की रोशनी फैल जाती है|

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०5: 'अब तो पेड़ों पर बौर लगेंगे' पंक्ति में किस पेड़ की बात की गई है?

क. पीपल के पेड़ की

ख. आम के पेड़ की

ग. नीम के पेड़ की

घ. बरगद के पेड़ की

प्र०6: 'प्रकृति के मुरझाये अधरों पर" पंक्ति में 'अधर' शब्द का क्या अर्थ है?

क. मुख पर

ख. आँखों पर

ग. होंठों पर

घ. नाक पर

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ग), 3 (ग), 4 (क), 5 (ख), 6 (ग)

पाठ - 11

पढ़क्कू की सूझ

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों से पाठ के माध्यम से दिमागी सूझ-बूझ के बारे में बातचीत करना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- सूझ-बूझ के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे पाठ के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे| अपने स्वयं आपबीती किस्से पर लिखकर लेखन कौशल बढ़ाना|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - मालिक, निश्चय, ज्ञान, माया, बूंद|

- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - मालिक - नौकर ने मालिक की आज्ञा का पालन किया| निश्चय - मोहन जो निश्चय कर लेता है उसे वह पूरा करता है|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से सूझ-बूझ से कार्य करने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- भाषा की बारीकियों, जैसे - शब्दों की पुनरावृत्ति, विशेषण, जेन्डर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं|

निम्नलिखित कहानी को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

एक दिन जंगल के सभी खरगोशों की एक सभा बुलाई गई। खरगोशों के नेता ने सबको संबोधित करते हुए कहा, "मुझे यह कहते हुए बहुत दु:ख होता है कि हमारा इस जंगल में कोई मित्र नहीं है। मनुष्य और जानवर सभी हमें तुच्छ समझते है और आए दिन किसी न किसी बहाने हमें मार डालना चाहते हैं। ऐसी अपमानजनक जिंदगी से क्या फायदा? इसलिए मैंने सोचा है कि हम सब लोग तालाब में कूद कर अपनी जान दे दें।"

अपने नेता की बात मानकर सभी खरगोश तालाब की ओर चल पड़े। वे सब जाकर तालाब के किनारे खड़े हो गए। वे पानी में कूदने जा ही रहे थे कि तालाब से छोटे-छोटे मेंढक डर कर बाहर कूद आए। यह दृश्य देखकर खरगोशों के नेता का विचार बदल गया। उसने अपने साथियों से कहा, "रुको ! तुमने देखा नहीं कि तुम्हारे तालाब में कूदने की बात सुनकर ही नन्हे-नन्हे मेंढक डरकर कैसे बाहर

भागे हैं। इसका मतलब यह हुआ कि हम निरीह प्राणी नहीं हैं और हमारा भी कुछ महत्त्व है। फिर हम अपना अनमोल जीवन क्यों खत्म करें?"

प्र०1: निम्नलिखित में से कौन-सा विशेषण शब्द उपर्युक्त कहानी में प्रयुक्त नहीं हुआ?

क. अनमोल

ख. तुच्छ

ग. निरीह

घ. नेता

प्र०2: रेखांकित शब्दों का लिंग परिवर्तित कीजिए?

'मेंढक, खरगोश की बात सुनकर तालाब से बाहर कूद आया|'

क. कई मेंढक, कई खरगोश, आया

ख. सभी मेंढक, सभी खरगोश, आई

ग. मेंढकी, मादा खरगोश, आई

घ. मादा मेंढक, मादा खरगोश, आया

प्र०3: रिक्त स्थान भरो:

स्कूल से वापिस (क)_____ राहुल को आम के बगीचे में जाने की बात सूझी| उसने अपनी यह बात (ख) _____ करके अपने सभी दोस्तों को बताई| उन्होंने बगीचे के पास अपने बस्ते रखे और (ग)_____ बगीचे में दाखिल हो गए| पर बगीचे में दाखिल होते हुए माली ने उन्हें देख लिया| माली (घ)_____ आया और उन सब को धमकाकर वहाँ से भगा दिया|

क. जाते-जाते/ गाते-गाते/ आते-आते/ होते-होते

ख. रोते-रोते/ हँसते-हँसते/ एक-एक/ धीरे-धीरे

ग. चुपके-चुपके/ बोलते-बोलते/ कूदते-कूदते/ चीखते-चीखते

घ. चलते-चलते/ लड़खड़ाते-लड़खड़ाते/ दौड़ते-दौड़ते/ गिरते-गिरते

सीखने का प्रतिफल

- किसी विषय पर लिखते हुए शब्दों के बारीक अंतर को समझते हुए सराहते हैं और शब्दों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते हैं|

"सोहन को सभी फलों में आम पसंद है परंतु सर्दियों के मौसम में यह बहुत महँगा मिलता है और सोहन के पिता जी एक आम आदमी है| वह इतना महँगा फल नहीं खरीद सकते|"

उपर्युक्त पंक्तियों को ध्यान से पढ़कर निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दे|

प्र०4: उपर्युक्त पंक्तियों में बोलने और सुनने में एक जैसे लग रहे "आम" शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है, परंतु दोनों ही बार उसका अर्थ अलग है| सही अर्थ पर निशान लगाए?

क. आम, गरीब

ख. एक फल का नाम, साधारण

ग. साधारण, गरीब

घ. गरीब, आम

"रामसिंह की नीयत में खोट नहीं था, उसने नियत समय पर पैसे लौटा दिए|"

प्र०5: उपर्युक्त पंक्तियों में बोलने और सुनने में एक जैसे लग रहे "नीयत/नियत" शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है, परंतु दोनों ही बार उसका अर्थ अलग है| सही अर्थ पर निशान लगाए?

क. इरादा, भाग्य

ख. इरादा, निश्चित

ग. भाग्य, निश्चित

घ. भाग्य, इरादा

प्र०6: सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए:

तेज़ वर्षा के कारण कक्षा में (क) _____ बीस बच्चे उपस्थित थे| अध्यापिका ने सबको (ख) _____ कार्य निकालने को कहा और एक-एक करके अपने पास आने को कहा| मोहन उठकर अध्यापिका की (ग) _____ जाने लगा| अपना कार्य चेक करवा कर वह वापिस अपनी सीट पर (घ) _____ आया|

क. कुल/कूल

ख. ग्रह/गृह

ग. ओर/और

घ. लौट/लोट

उत्तर-तालिका = 1 (घ), 2 (ग), 3 [(क) आते-आते (ख) एक-एक (ग) चुपके-चुपके (घ) दौड़ते-दौड़ते], 4 (ख), 5 (ख), 6 [क (कुल), ख (गृह), ग (ओर), घ (लौट)

पाठ - 12

सुनीता का पहिया कुर्सी

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति के स्वाभिमान से परिचित करवाना| पाठ के माध्यम से दृढ़ इच्छाशक्ति पर चर्चा करना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- शारीरिक रूप से विकलांग होने पर भी स्वाभिमान बनाए रखने के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे कविता के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे| बच्चों द्वारा किसी की मदद करने के विषय में लिखकर लेखन-कौशल बढ़ाना|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - कुर्सी, तैयार, छुट्टी, धन्यवाद, व्यवहार|

- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - व्यवहार - दुकानदार का व्यवहार अच्छा नहीं था| धन्यवाद - कार्य समाप्त होने पर मैंने राम को धन्यवाद कहा|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन में मजबूती से समस्याओं से निपटने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सभी विद्यार्थी पढ़ी गई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, तथा अपनी बात के लिए तर्क देते हैं|

(अध्यापक द्वारा पाठ की व्याख्या करने के उपरांत छात्रों से ये प्रश्न पूछे जायेगें|)

प्र०1: सुनीता ने अपने रोज़ाना के काम करने के लिए कई तरीके क्यों ढूँढ़ निकाले थे?

क. क्योंकि कोई भी उसका काम नहीं करता था|
ख. क्योंकि वह किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहती थी|
ग. क्योंकि कोई भी उससे बोलता नहीं था|
घ. क्योंकि उसके सभी काम बहुत मुश्किल थे|

प्र०2: रस्सी कूदना, भागना-दौड़ना, उछल-कूद, गेंद से खेलना- इन् सभी गतिविधियों के लिए शरीर के किस अंग का सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होता है?

क. हाथों का

ख. पैरों का

ग. (क) व (ख) दोनों का

घ. आँखों का

प्र०3: अमित ने ऐसा क्यों कहा कि वह और सुनीता दोनों दूसरे बच्चों से अलग है?

क. क्योंकि वे दोनों मानसिक रूप से दूसरे बच्चों से भिन्न है|

ख. क्योंकि वे दोनों शारीरिक रूप से दूसरे बच्चों से भिन्न है|

ग. क्योंकि वे दोनों आर्थिक रूप से दूसरे बच्चों से भिन्न है|

घ. क्योंकि वे दोनों धार्मिक रूप से दूसरे बच्चों से भिन्न है|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिन्हों, जैसे - पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते हैं|

प्र०4: निम्नलिखित गद्यांश में गलती से विराम-चिन्हों का गलत प्रयोग हो गया है| गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विराम-चिन्ह लगाकर गद्यांश पुनः लिखिए -

कविता-दीपिका-विवान और चहक अपनी | नानी के घर छुट्टियाँ बिताने गए? नानी उन सबको, पार्क में घुमाने ले गई | चहक ने गुलाब-चम्पा और चमेली के फूलों को देखकर नानी से पूछा - नानी क्या मैं ये फूल तोड़ लूँ |

प्र०5: निम्नलिखित वाक्य को उचित विराम-चिन्ह लगाकर दोबारा लिखिए-

“हम विद्यालय जा रहे हैं”

_____

_____

प्र०6: जिस वाक्य में जहाँ थोड़ा रुकना होता है या किसी व्यक्ति या वस्तु को दूसरे से अलग दिखाना होता है; वहाँ किस विराम चिन्ह का प्रयोग होता है?

क. पूर्ण विराम चिन्ह

ख. प्रश्नवाचक चिन्ह

ग. अल्प विराम चिन्ह

घ. योजक चिन्ह

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ख), 4 (विद्यार्थी पुनः लिखेंगे), 5 (विद्यार्थी पुनः लिखेंगे), 6 (ग)

पाठ - 13

हुदहुद

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से पक्षियों की कल्पना के बारे में बातचीत करना| पाठ के माध्यम से पक्षियों के आकाश भ्रमण पर चर्चा करना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पक्षियों के स्वभाव के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे पाठ के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे| पक्षियों के बारे में लिखवा कर उनका लेखन कौशल बढ़ाना|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - बादशाह, मदद, सलाह, वंश, समाप्त|

- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - बादशाह - बादशाह की आज्ञा से सभी ने प्रस्थान किया| समाप्त - हमें अपना कार्य समय पर समाप्त करना चाहिए|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से पक्षियों के स्वभाव से अवगत करना, दूसरे पक्षियों की तुलना करने में समर्थ होने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सभी विद्यार्थी पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की मौखिक, लिखित अभिव्यक्ति करते हैं|

(पाठ के आधार पर छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएंगे|)

प्र०1: उपर्युक्त चित्र को ध्यान से देखकर बताओ कि हुदहुद पक्षी अपनी चोंच से क्या कर रहा है?

क. पेड़ में छिपे कीड़े खा रहा है|

ख. अपना घोंसला बना रहा है|

ग. पेड़ पर चढ़ रहा है|

घ. पेड़ के पीछे छिपा हुआ है|

प्र०2: हुदहुद पक्षी की तरह ओर किस पक्षी के सिर पर कलगी होती है?

क. तोता

ख. कबूतर

ग. कौआ

घ. मोर

प्र०3: हुदहुद पक्षी को पालतू क्यों नहीं बनाया जा सकता?

क. क्योंकि यह तोते की तरह इंसानों की भाषा नहीं बोलता है|

ख. क्योंकि इसकी बोली में कोयल की तरह मिठास नहीं है|

ग. क्योंकि यह मांसाहारी है|

घ. उपरोक्त सभी

सीखने का प्रतिफल:

- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधियों के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं|

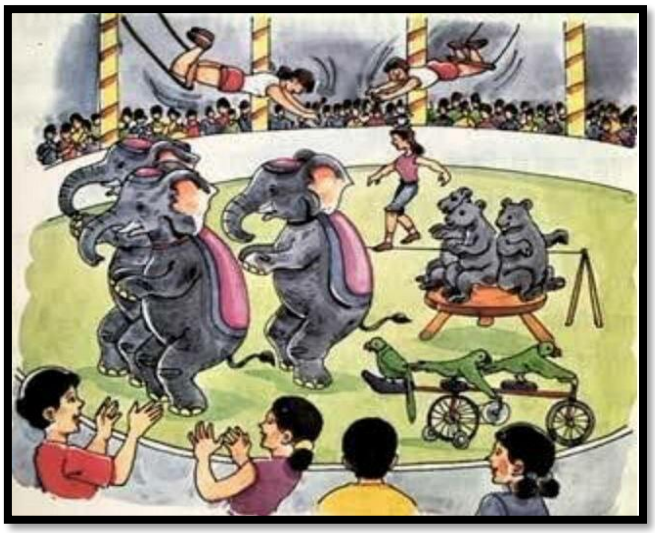

उपर्युक्त चित्र को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०4: रिक्त स्थान भरो:

यह चित्र (क) _____ का है| इसमें (ख) _____ हाथी अपने पैरों पर खड़े है तथा तीन तोते (ग) _____ चला रहे है| कार्यक्रम को देखने के लिए (घ) _____ लोग आए है|

क. स्कूल/अस्पताल/बाज़ार/सर्कस

ख. दो/चार/तीन/दस

ग. कार/स्कूटर/साइकिल/बस

घ. पचास/बहुत/अनगिनत/बीस

प्र०5: रस्सी पर बिना सहारा लिए लड़की कैसे चल रही है?

क. बंद आँखों के सहारे

ख. सम्पूर्ण शारीरिक संतुलन के सहारे

ग. सिर्फ पैरों के सहारे

घ. डर की वजह से

प्र०6: आजकल सर्कस के प्रचलन में ना होने का क्या कारण है?

क. मनोरंजन के अन्य साधनों (थियेटर/मोबाईल गेम इत्यादि) की वजह से

ख. वन्य प्राणियों के प्रयोग पर प्रतिबंध की वजह से

ग. सर्कस के कर्मचारियों को मुनाफा कम होने की वजह से

घ. उपरोक्त सभी

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (घ), 4 [(क) सर्कस (ख) तीन (ग) साइकिल (घ) बहुत], 5 (ख), 6 (घ)

पाठ - 14

मुफ़्त ही मुफ़्त

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से बिना पैसे के सामान न् खरीदने के बारे में प्रेरित करना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार-पाँच वाक्यों, जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- परिश्रम के बल के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे|
- पाठ-विस्तार में सहायक - स्मार्ट बोर्ड, दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना| जैसे - पी० पी० टी०, ऑडिओ, वीडियो आदि|
- दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना|
- शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा| वे पाठ के कम-से-कम पाँच वाक्य (३० से ४० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र चार प्रश्नों के उत्तर २० से २५ अपने शब्दों में लिख पायेंगे| बच्चों द्वारा परिश्रम के बल पर वस्तुओं को प्राप्त करने जैसे किस्से लिखवाकर लेखन कौशल बढ़ाना|
- सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/ कहानी लेखन/ कविता लेखन आदि कार्य करेंगे|
- सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम-से-कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे - कंजूस, बाज़ार, वापस, मौका, मेहनत|

- सभी विद्यार्थी कम-से-कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे - मेहनत - मेहनत करने वालों को सब कुछ प्राप्त होता है| वापस - बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता|
- निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - पाठ के आधार पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कक्षा परीक्षा के माध्यम से, श्रुतलेख के माध्यम से|
- शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से मेहनत द्वारा प्रत्येक वस्तु को प्राप्त करने जैसे नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सभी विद्यार्थी दूसरों द्वारा कही जा रही बात को ध्यान से सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं और प्रश्न पूछते हैं|

(बच्चों से ये प्रश्न कहानी सुनाकर मौखिक रूप से पूछे जाएंगे)

एक दिन शेर भूखा-प्यासा भोजन की तलाश में यहाँ-वहाँ भटक रहा था| तभी उसे नदी के किनारे एक लोमड़ी पानी पीते हुए दिखाई दी| लोमड़ी को देखकर शेर बहुत खुश हुआ और सोचने लगा- “आज तो दावत ही हो जाएगी| बहुत दिनों बाद भरपेट खाना मिलेगा|” यह सोचते-सोचते शेर दबे पाँव नदी की तरफ़ बढ़ने लगा| थोड़ी ही देर में वह लोमड़ी के सामने पहुँच गया| शेर को सामने देखकर लोमड़ी डर गई | उसने भागने की सोची पर वह नहीं भागी | उसने हिम्मत जुटाकर शेर से कहा - “शेर राजा, आज इस तरफ़ कैसे आना हुआ?” शेर ने कहा - “मैं तो पानी पीने आया हूँ | पानी पीकर वापिस चला जाऊँगा|” लोमड़ी शेर के जवाब से संतुष्ट नहीं हुई| वह समझ गई कि शेर उसे बेवकूफ बना रहा है| मौका मिलते ही वह उसे खा जाएगा| लोमड़ी को अपनी जान बचाने का एक उपाय सूझा| उसने शेर से कहा - जब आप यहाँ तक आ ही गए है तो मेरे साथ दावत खाने चलिए| आज अप्पू हाथी ने मुझे अपने जन्मदिन की दावत पर बुलाया है|” यह सुनकर शेर फूला नहीं समाया और मन-ही-मन सोचने लगा कि आज तो

सचमुच भोजन करने का मज़ा ही आ जाएगा| यह सोचते-सोचते शेर लोमड़ी के पीछे-पीछे चलने लगा| थोड़ी ही दूर अप्पू हाथी का घर था| वहाँ पहुँच कर उसने शेर से कहा -" आप यहाँ रुकिये, मैं अंदर जाकर सारा प्रबंध देखकर आती हूँ|" अंदर जाकर लोमड़ी ने हाथी को कहा - " अप्पू हाथी, आज मुझे नदी किनारे शेर राजा मिला था| वह कह रहा था कि कल रात को उसे सामने देखकर तुम डर के मारे दुम दबाकर भाग खड़े हुए| मुझे तो विश्वास नहीं हुआ इसलिए शेर राजा एक बार फिर तुम्हें डराने मेरे साथ आए है|" यह सुनकर अप्पू हाथी को गुस्सा आ गया और वह चिंघाड़ता हुआ बाहर गया| सामने शेर को देखकर वह आग-बबूला हो गया और शेर को अपनी सूँड से उठाकर बहुत दूर फेंक दिया| इस प्रकार लोमड़ी ने डरने की बजाए चतुराई से काम लिया और अपनी जान बचाई|

प्र०1: शेर लोमड़ी को देखकर नदी की तरफ़ क्यों बढ़ा?

क. वह पानी पीना चाहता था|

ख. वह लोमड़ी का शिकार करना चाहता था|

ग. वह नदी में नहाने आया था|

घ. वह लोमड़ी से बात करना चाहता था|

प्र०2: शेर को सामने देखकर लोमड़ी भागी क्यों नहीं?

क. क्योंकि लोमड़ी लगड़ी थी|

ख. क्योंकि लोमड़ी को दौड़ना नहीं आता था|

ग. क्योंकि शेर झपट कर उसे दबोच लेता|

घ. क्योंकि लोमड़ी अपने आप को शेर से ज़्यादा ताकतवर समझती थी|

प्र०3: "शेर फूला नहीं समाया |" इस पंक्ति का क्या अर्थ है?

क. शेर बहुत उदास हो गया|

ख. शेर भूख की वजह से बहुत फूल गया|

ग. शेर बहुत खुश हो गया|

घ. शेर बहुत कमज़ोर हो गया|

सीखने का प्रतिफल:

- अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्ण आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं|

(बच्चों से ये प्रश्न कविता सुनाकर मौखिक रूप से पूछे जाएंगे)

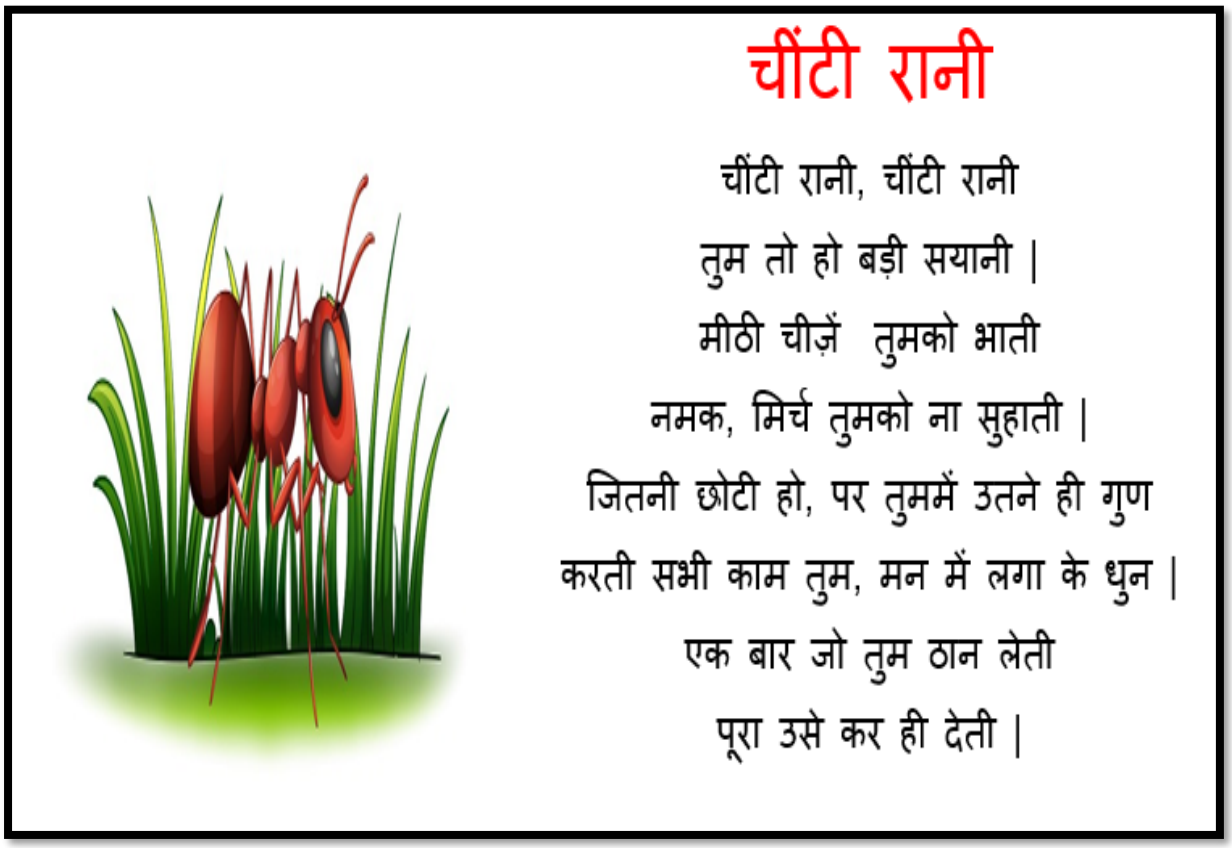

प्र०4: निम्न में से कौन सी खाने की चीज़ें चींटी को पसंद नहीं आयेंगी?

क. रसगुल्ला

ख. जलेबी

ग. लड्डू

घ. समोसा

प्र०5: चींटी को गुणी क्यों कहा गया है?

क. क्योंकि वह अपना काम दूसरों से करवाती है|

ख. क्योंकि उसका कोई भी काम करने में मन नहीं लगता|

ग. क्योंकि वह अपना काम स्वयं करती है|

घ. क्योंकि उसको मीठा खाना पसंद है|

प्र०6: रिक्त स्थानों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए -

चींटी एक (क) _____ कीट है| वह (ख) _____ खाना पसंद नहीं करती| छोटी होते हुए भी वह पेड़ के (ग) _____ भी चढ़ जाती है। चींटी में अपना काम स्वयं करने का (घ)..... है ।

क. कामचोर, परिश्रमी, सुस्त, ऊँची

ख. खट्टा, मीठा, नमकीन, कड़वा

ग. नीचे, ऊपर, सामने, पास

घ. सुन, गुण, बुन, चुन

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ग), 4 (घ), 5 (ग), 6 [(क) परिश्रमी (ख) मीठा (ग) ऊपर (घ) गुण]

Contributor

- **Dr. Savita Gahlawat (ARP, Hindi)**

  Education Department

  UT Chandigarh

Reviewer

- **Ms. Shifali Singla (TGT)**

  SCERT UT Chandigarh

Co-ordinator

- **Dr. Deepika Gupta**

  Assistant Professor

  SCERT UT Chandigarh

"Live as if you were to die tomorrow. Learn as if you were to live forever"

- Mahatma Gandhi

2021

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
SECTOR-32 UT CHANDIGARH